माँ महागौरी आरती लिरिक्स (

माँ महागौरी आरती लिरिक्स (
क्स (Maa Mahagauri Aarti Lyrics)
महागौरी दया कीजे
जगजननी दया कीजे ।
उमा रमा ब्रम्हाणी
अपनी शरण लीजे ।।
महागौरी दया कीजे ।।
गौर वर्ण अति सोहे
ण अति सोहे
वृषभ की असवारी ।
स्वेत वस्त्रो में मैया्
रो में मैया
लागे छवि प्यारी ।। प्यारी ।।
महागौरी दया कीजे ।।
सृष्टि रूप तुम्ही होुम्ही हो
शिव अंगी माता ।ा ।
भक्त तुम्हारे अनगिन
न
नित प्रतिगुण गाता ।।ा ।।
महागौरी दया कीजे ।।
दक्ष केघर जन्मी तुमुम
ले अवतार सती ।
ी ।
प्रगटी हिमाचल केघर
माचल केघर
बने शिवा पार्वती ।।
ी ।।
महागौरी दया कीजे ।।
नवदुर्गो में मैयागो में मैया
आठवाँ तेरा स्वरूप ।
ेरा स्वरूप ।
शिव भी मोहित हो गये हो गये
देख केतेरा रूप ।।ेरा रूप ।।
महागौरी दया कीजे ।।
आठवें नवरात्रे कोरे को
जो व्रत तेरा करे ।
ेरा करे ।

पाता प्याा प्यार तुम्हाराुम्हारा
भव सिंधु वो तारे ।।

ारे ।।
महागौरी दया कीजे ।।
वैद पुराण में महिमामा
तेरी माँ अपरम्पार ।ाँ अपरम्पार ।
हम अज्ञानी कैसे
पाए तुम्हारा पार ।।ुम्हारा पार ।।
महागौरी दया कीजे ।।
महागौरी महामाया
आरती तेरी गाते ।
े।
करुणामयी दया कीजे
निशदिन तुझे ध्याते ।।े।।
महागौरी दया कीजे ।।
शिव शक्ति महाि महागौरी
चरण शरण कीजे ।
बालक जानकेअपना
हमपे दया कीजे ।।
महागौरी दया कीजे ।।
महागौरी महामाया
आरती तेरी गाते ।
े।
करुणामयी दया कीजे
निशदिन तुझे ध्याते ।।े।।
महागौरी दया कीजे ।।
शिव शक्ति महागौरीि महागौरी
चरण शरण लीजे ।
बालक जानकेअपना
हमपे दया कीजे ।।
महागौरी दया कीजे
जगजननी दया कीजे ।

उमा रमा ब्रम्हाणी
अपनी शरण लीजे ।।
महागौरी दया कीजे ।।
माँ महागौरी मंत्र (ँमहागौरी मंत्र (Maa Mahagauri Mantra)
ॐकारः पातु शीर्षो माँ
ाङ्, हीं बीजम् माँङ्, हृदयो।
क्लीं बीजम् सदापातु नभो गृहो च पादयो॥ुनभो गृहो च पादयो॥

ललाटम् कर्णो हुं बीजम् पातु महागौरी माँ नेत्रम् घ्राणो।
कपोत चिबु
बुको फट् पातु स्वाहा माँ सर्ववदनो॥

वदनो।।